an>

Title: Need to improve the working of Universities in India.

डॉ. नैपाल सिंह **(रामपुर):** माननीय अध्यक्ष जी, देश में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ध्यान न देने के कारण शिक्षा के स्तर पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। शिक्षा के स्तर में गिरावट आती जा रही है। परिस्थितियां यहां तक पहुंच गई हैं कि देश के काफी विश्वविद्यालयों में दो या तीन साल के पुराने परीक्षा परिणाम भी घोषित नहीं हुए। परीक्षा परिणाम घोषित न होने के कारण छात्रों का भविष्य अंधकार में आ गया है। प्रत्येक साल परीक्षाएं विलम्ब से होती हैं और परीक्षा परिणाम देर से निकलते हैं। विश्वविद्यालयों में शिक्षा सत्र ठीक से नहीं चल रहे हैं जिसके कारण छात्र प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। कुछ विश्वविद्यालयों में स्थिति यहां तक आ गई है कि छात्र प्रवेश लेते हैं और परीक्षा देते हैं। इस तरह से शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षण की दुर्दशा में सबसे बड़ा योगदान विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी और छात्रों की बढ़ोतरी हुई है। देश की राज्य सरकारें विश्वविद्यालय की शिक्षा को सुधारने के लिए निष्क्रिय और असहाय दिखाई दे रही हैं। परीक्षा के मूल्यांकन में भी बहुत भ्रष्टाचार है। परीक्षा पद्धति में सुधार की आवश्यकता है। केंद्र सरकार को इस मामले में कोई नई नीति बनाने की आवश्यकता है।